SEM-3, SC-302, BY-DR. S. B. CHOUDHARY

classmate

Date 26.11.2020
Page (1)

TOPIC- NOISE POLLUTION
शोर प्रदूषण

ध्वनि किसी वस्तु के कम्पन से उत्पन्न होती है, जो तीव्रता के अनुसार मन्द, मध्यम व तीव्र हो सकती है। यह लाभदायक अथवा हानिकारक हो सकती है। ध्वनि की अवांछनीय (not Required) तीव्रता को शोर कहते हैं। शोर पर्यावरण प्रदूषण का एक रूप है। चूँकि यह दिखायी नहीं देता है, अतः इसे अदृश्य प्रदूषण भी कहते हैं। शोर प्रदूषण को ध्वनि प्रदूषण कहना उपयुक्त नहीं है।

पर्यावरण में उत्पन्न होनेवाली कोई भी अवांछित आवाज जिसका जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, शोर प्रदूषण है। भारतीय मानक संस्थान ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए अधिकतम ध्वनि सीमा के मानदण्ड निर्धारित किए हैं, जिनसे अधिक ध्वनि होने पर शोर प्रदूषण माना गया है।

शोर प्रदूषण के स्रोत

SOURCES OF NOISE POLLUTION

(1) प्राकृतिक स्रोत (Natural Source) - कुछ प्राकृतिक क्रियाओं से उत्पन्न ध्वनि तरंगें भी शोर प्रदूषण का कारण बनती है। इनमें मेघ गर्जन, बिजली कड़कना, तूफानी हवाएँ, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, मुसलाधार वर्षा आदि सम्मिलित हैं। इनका प्रभाव सीमित क्षेत्र तथा